Roll No. .....

# D–3083

## B. A. (Part I) EXAMINATION, 2020

**(New Course)**

HINDI LITERATURE

Paper First

**(प्राचीन हिन्दी काव्य)**

*Time : Three Hours* ] [ *Maximum Marks : 75*

**सूचना :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) सत्‌गुरु की महिमा अनन्त, अनन्त किया उपकार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनन्त दिखावणहार॥
सत्‌गुरु साँचा सूरिवाँ, सबद अजु बाह्य एक।
लागत ही मैं मिली गया, पड़या कलेजै छेक॥

**अथवा**

चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा॥
धूम, साम, धौरे घन धाये। सेत धजा बग-पाँति देखाये॥
खड़क-बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद-बान बरसहिं घन घोरा॥
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत, उबारू मदन हौं घेरी॥
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ॥





(ख) गोकुल सबै गोपाल-उपासी
जोग अंग साधत के ऊधो ते सब बसत ईसपुर कासी॥
यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रस रासी॥
अपनी सीतलताहि न छांड़त यद्यपि है ससि राहु-गरासी॥
का अपराध जोग लिखि पठवत प्रेम भजन तजि करत उदासी॥
सूरदास ऐसी को बिरहिन मांगति मुक्ति तजे गुनरासी॥

**अथवा**

जात पवनसुत देवन्ह देखा। जानैं कहुँ बल बुद्धि बिसेषा॥
सुरसा नाम अहिन्ह कै माता। पठ इन्हि आइ कही तेहीं बाता॥
आजु सुरन्ह मोहि दीन्ह आहारा। सुनत बचन कह पवनकुमारा॥
राम काजु करि फिरि मैं आवौं। सीता कइ सुधि प्रभुहि सुनावौ॥
तब तब बदन पैठिहऊँ आई। सत्य कहऊँ मोहि जान दे माई॥

(ग) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलनि मैं छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है।
लट लाल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वैं॥

**अथवा**

पहले अपनाय सुजान सनेह सों क्यों फिर नेह कै तोरियै जू।
निरधार अघार दै धार मँझार दई : गहि बाँह न बोरियै जू।
घनआनंद आपने चातक को गुन बांधिकै मोह न छोरियै जू।
रस प्याय कै जाय बढ़ाय कै आस बिसास मैं यौं विष घोरियै जू॥

2. "कबीर सच्चे अर्थों में समाज सुधारक थे।" सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 12

**अथवा**

जायसी के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

3. "सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।" उदाहरण देकर कथन की पुष्टि कीजिए। 12

**अथवा**

तुलसीदास के समन्वयवादी दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

**अथवा**

घनानंद के विरह की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) रहीम के नीतिपरक दोहे

(ii) रसखान की भक्ति

(iii) निर्गुण भक्ति

(iv) विद्यापति की भाषा

(v) रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने कालों में बाँटा गया है ?

(ii) 'विनयपत्रिका' किस भाषा में लिखी गई है ?

(iii) तुलसीदास के गुरु का नाम बताइए।

(iv) आपकी पाठ्यपुस्तक में 'रामचरितमानस' का कौन-सा काण्ड संकलित है ?

(v) 'वाणी के डिक्टेटर' किस कवि को कहा जाता है ?

(vi) 'पद्मावत' किस भाषा में लिखी गई है ?

(vii) 'रमैनी' किसकी रचना है ?

(viii) 'सूरसागर' के कवि का नाम लिखिए।

(ix) 'पद्मावत' में 'पद्मावती' किसका प्रतीक है ?

(x) 'कीर्तिपताका' किस कवि की रचना है ?

(xi) 'प्रेम वाटिका' किस कवि की रचना है ?

(xii) रीतिकाल की समय-सीमा बताइए।





(xiii) आपके निर्धारित पाठ्यक्रम प्राचीन हिन्दी काव्य के सम्पादक का नाम बताइए।

(xiv) 'रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय' किस कवि की पंक्ति है ?

(xv) द्रुत पाठ हेतु संकलित किसी **एक** कवि का नाम बताइए।

(xvi) 'मैथिल कोकिल' किस कवि को कहा गया है ?

(xvii) 'रास पंचाध्यायी' किसकी रचना है ?

(xviii) 'इश्कलता' किसकी रचना है ?

(xix) अष्टछाप में कितने कवि हैं ?

(xx) घनानंद की प्रेमिका का नाम लिखिए।